भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2463
उत्तर देने की तारीख 03 अगस्त, 2026
12 श्रावण, 1948 (शक)

वैश्विक खेल मंचों पर ओडिशा का प्रतिनिधित्व

2463. श्रीमती अपराजिता सारंगी:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की 'कृपा करेंगे कि :

(क) वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में से ओडिशा तथा देश के अन्य राज्यों के खिलाड़ियों की संख्या का ब्यौरा क्या है,

(ख) ओडिशा में सरकार की खेल संबंधी योजनाओं के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है,

(ग) क्या सरकार के पास सभी प्रकार के खेलों को प्रोत्साहित करने हेतु कोई दीर्घकालिक रणनीति है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(घ) क्या सरकार ने वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं में ओडिशा तथा भारत की भागीदारी बढ़ाने हेतु कोई कदम उठाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ङ) क्या सरकार विद्यमान खेल अवसंरचना को ध्यान में रखते हुए भुवनेश्वर में ओलंपिक स्तरीय खेल परिसर स्थापित करने का विचार रखती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के अंतर्गत, सरकार ओलंपिक खेलों, पैरालंपिक खेलों तथा अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारत के उत्कृष्ट खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उन्हें व्यापक सहायता प्रदान करती है। यह मंत्रालय, टीओपीएस के अंतर्गत ओडिशा राज्य के 14 खिलाडियों सहित कुल 446 खिलाड़ियों को सहायता प्रदान कर रहा है।

(ख) 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, खेलों के संवर्धन तथा खेल परिसरों की स्थापना सहित खेलों के विकास की जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। संघ सरकार

ओडिशा राज्य सहित देशभर में खेलों के संवर्धन एवं विकास के लिए विभिन्न स्कीमों का कार्यान्वयन करके राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। इन स्कीमों का विवरण मंत्रालय की वेबसाइट (https://yas.nic.in) पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है ।

खेलो इंडिया स्कीम के 'खेल अवसंरचना के सृजन एवं उन्नयन' घटक के अंतर्गत ओडिशा राज्य में 71.95 करोड़ रु. की लागत से 05 खेल अवसंरचना परियोजनाओं को संस्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं का विवरण https://mdsd.kheloindia.gov.in/. पर उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, ओडिशा राज्य में 31 खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) का संचालन किया जा रहा है। साथ ही, ओडिशा राज्य में हॉकी, भारोत्तोलन तथा एथलेटिक्स खेलों के लिए एक (01) खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) भी मौजूद है। इन केंद्रों का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://dashboard.kheloindia.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, कटक, सुंदरगढ़ तथा ढेंकानाल में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रशिक्षण केंद्र तथा जगतपुर में एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) भी है।

(ग) जी, हाँ। सरकार ने खेलो भारत नीति-2025 तैयार की है, जिसका उद्देश्य देश के खेल परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन लाना तथा 2036 के ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश को तैयार करना है। इस नीति में निम्नलिखित पाँच प्रमुख स्तंभों पर आधारित एक व्यापक कार्य-योजना निर्धारित की गई है:

- वैश्विक मंच पर राष्ट्र की उत्कृष्टता – ब्लॉक स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक खेल पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाना, प्रतिभा पहचान, खेल विज्ञान, उत्कृष्ट कोचिंग तथा खिलाड़ियों को समग्र सहायता प्रदान करना;

- आर्थिक विकास के लिए खेल – खेल पर्यटन को बढ़ावा देना, 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से खेल विनिर्माण को प्रोत्साहित करना, खेल क्षेत्र में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी को सुदृढ़ करना;

- सामाजिक विकास के लिए खेल देशज खेलों को बढ़ावा देते समय महिलाओं, जनजातीय युवाओं तथा दिव्यांगजनों जैसे वंचित एवं कम प्रतिनिधित्व वाले वर्गों के लिए खेलों तक समान पहुँच सुनिश्चित करना ;

- खेल – जन-जन का आंदोलन – कार्यस्थलों एवं विद्यालयों के लिए फिटनेस सूचकांकों तथा सामुदायिक आयोजनों के माध्यम से देशव्यापी स्वास्थ्य एवं फिटनेस को प्रोत्साहित करना।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के साथ समन्वय – विद्यालयी पाठ्यक्रम में खेल एवं शारीरिक शिक्षा का एकीकरण करना।

इस रणनीति को खेल प्रशासन में सुधार, डोप-रोधी विनियमों को सुदृढ़ बनाने, खिलाड़ियों के प्रदर्शन की निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग तथा संबंधित हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाया गया है, ताकि भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित किया जा सके।

(घ) जी, हाँ। सरकार राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम तथा टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) जैसी स्कीमों के माध्यम से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी हेतु वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान करती है। भारत के वैश्विक खेल स्पर्धाओं में प्रदर्शन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से खिलाड़ियों को कोचिंग, खेल विज्ञान सहायता, खेल उपकरण, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर, प्रशिक्षण शिविर तथा खिलाड़ियों की अन्य आवश्यकताओं के लिए सहायता प्रदान की जाती है। ये सुविधाएँ ओडिशा राज्य सहित देशभर के पात्र खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध हैं।

(ङ) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****